



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 188]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 3, 1989/आश्विन 11, 1911

No. 188]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 3, 1989/ASVINA 11, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1989

मं. एफ. 4(5) डब्ल्यू एण्ड एम/89 :—10.50 प्रतिशत ऋण, 1999 (दूसरा निर्गम), 11.00 प्रतिशत ऋण, 2004 (दूसरा निर्गम) और 11.50 प्रतिशत ऋण, 2009 (दूसरा निर्गम) के लिए कुल 2200 करोड़ रुपये या यथामंभव उसके निफ्ट की कुल राशि के बावजूद 11 अक्टूबर 1989 को बैकिंग समय की समाप्ति तक अधिदान तकदी में या भारत सरकार के 6.75 प्रतिशत ऋण, 1989 और/या 7.75 प्रतिशत ऋण, 1989 की प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किये जायेंगे। परन्तु अन्य निम्नलिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 11 अक्टूबर 1989 को छूट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिवस बैकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य के संबंधित आदाता कार्यालयों में अधिदान स्वीकार किये जायेंगे।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अधिदान राशि 2200 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अधिदानों को आनुपातिक आधार पर तकदी में प्राथमिक

आवंटन किया जाएगा। यदि प्राथमिक आवंटन किया जाता है तो प्राथमिक आवंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अधिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई ब्याज भ्रदा नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 मई 1999 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण, 1999 (दूसरा निर्गम)

(i) वापसी अधायनी की तारीख—ऋण 15 मई 1999 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (माकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 11 अक्टूबर 1989 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। 11 अक्टूबर 1989 से 14 नवंबर 1989 (मंथित) की अवधि के लिए ब्याज 15 नवंबर 1989 को भ्रदा किया जायेगा तथा तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 15 मई और 15 नवंबर को भ्रदा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबंधों के अधीन प्रायकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 मई 2004 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.00 प्रतिशत ऋण 2004 (दूसरा निर्गम)

(i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 15 मई 2004 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1000.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 11 अक्टूबर 1989 से वार्षिक 11.00 प्रतिशत होगी। 11 अक्टूबर 1989 से 14 नवंबर 1989 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 15 नवंबर 1989 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 15 मई और 15 नवंबर को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर लगेगा।

5. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 मई 2009 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2009 (दूसरा निर्गम)

(i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 15 मई 2009 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 11 अक्टूबर 1989 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 11 अक्टूबर 1989 से 14 नवंबर 1989 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 15 नवंबर 1989 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 15 मई और 15 नवंबर को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

6. उद्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिए एकादश से कम के ब्याज को द्वादश में नहीं लिया जायेगा और पचास या उससे अधिक पैसे को अगले रुपये में पूर्णांकित किया जायेगा।

परिवर्तन की शर्तें

7. 6.75 प्रतिशत ऋण, 1989 और/या 7.75 प्रतिशत ऋण, 1989 की प्रतिभूतियों सममूल्य पर नये ऋणों में परिवर्तन के लिए स्वीकार की जायेंगी। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली 6.75 प्रतिशत ऋण 1989 की प्रतिभूतियों पर वार्षिक 6.75 प्रतिशत की दर पर 10 अक्टूबर 1989 सहित उस दिन तक का ब्याज नयी प्रतिभूतियां जारी करते समय अदा किया जायेगा। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली 7.75 प्रतिशत ऋण, 1989 की प्रतिभूतियों पर वार्षिक 7.75 प्रतिशत की दर पर 10 अक्टूबर 1989 सहित उस दिन तक ब्याज नयी प्रतिभूतियां जारी करते समय अदा किया जायेगा।

पूरक व्यवस्थाएं

8. आवेदनपत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे :—

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और सायबला), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय, और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

9. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक, के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा मित्रिकम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप-राजकोष में ब्याज किया जाएगा।

10. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हो।

जिन धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह वित्त के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणापत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

11. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय की वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80ड के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

12. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

13. प्रतिभूतियां केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेंगी।

14. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु. 1,000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

15. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए, जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक व्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

16. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में या 6 75 प्रतिशत ऋण, 1989 और/या 7 75 प्रतिशत ऋण, 1989 की प्रतिभूतियाँ, जो परिचालन के लिए प्रस्तुत की जा रही हैं, के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिज़र्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय से प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम प्राप्ति किये जाने चाहिए। परिचालन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियाँ धरक द्वारा सरकार को निम्न प्रकार अंतरित की जानी चाहिए:—

(1) यदि स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो प्रमाणपत्र के पीछे अंतरण विनिर्देश के फार्म पर कियी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करके।

(2) यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें निम्नप्रकार से पृष्ठांकित किया जाए—

“भारत के राष्ट्रपति को अदा करें”

17. स्वीकृत बैंकों वा उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आश्वासनों पर तथा क्वांटों को उन के द्वारा प्रस्तुत और उनकी मूह्यमुक्त ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आश्वासनों पर प्रति रु. 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर क्वाली अदा की जायेगी। बैंक वाणिज्य और सहाकारी बैंक-अपने स्वयं के अभिदातों के लिए क्वाली की अदायगी के पालन नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,

श्रीमती जयन्ती कठपुभिया, मन्त्रालय सचिव (बजट)

दलाल की मुहर और पता

आवेदन का फार्म

मैं/हम*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ ह.

(

रूप) के लिए

नकदी*/

बैंक / ह. (

रूप) के सांकेतिक

मूल्य की 6.75 प्रतिशत ऋण, 1989/7.75 प्रतिशत ऋण, 1989 की प्रतिभूतियां* प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* स्टॉक प्रमाणपत्र/मिरे/हमारे* एस.जी.एल. खाते में जमा के रूप में ह. के सांकेतिक मूल्य की 10.50 प्रतिशत ऋण, 1999 (दूसरा निर्गम)*/11.00 प्रतिशत ऋण, 2004 (दूसरा निर्गम)*/11.50 प्रतिशत ऋण, 2009 (दूसरा निर्गम)* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं।

2. मैं/हम* वाहता हूँ/वाहते हैं कि उनका व्याज में भरा किया जाए।

विशेष टिप्पणी : इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें।
प्रतिष्ठित आवाता कार्यालय द्वारा की जाएगी।

	हस्ताक्षर	दिनांक
आवेदन पत्र सं. "दलाली नहीं" मुहर नकदी प्राप्त होने की तारीख बैंक बसुल होने की तारीख विशेष खाते में जमा करने की तारीख जमा की गयी नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया मांग पत्र सं. प्रतिभूति सं. कार्ड सं. बाउण्डर पारित करने की तारीख		हस्ताक्षर पूरा (पूरे) नाम पता दिनांक : अक्टूबर 1989

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

टिप्पणियां :—परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियां यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदक/को के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ पुष्टीकृत किया जाए "भारत के राष्ट्रपति को भरा करें" यदि वे स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो उनके पीछे दिए गये अंतरण बिन्दु पर आवेदक किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करे/करें।

- प्रत्येक ऋण, अपेक्षित नये ऋण के अधिदान के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
- यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।
- यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएं :
 - निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रति-लिपि।
 - कंपनी/निकाय के बहिनियमों और अंतनियमों या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
 - कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत मत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- आवेदकों को, उन्हें जारी किये जानेवाले स्टॉक प्रमाणपत्र/पत्रों पर छयाही व्याज के प्रेषण के लिए प्रादेश फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध), भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd October, 1989

No. F. 4(5)W&M/89.—Subscriptions for the issues of 10.50 per cent. Loan, 1999 (Second Issue), 11.00 per cent. Loan, 2004 (Second Issue) and 11.50 per cent. Loan 2009 (Second Issue) for an aggregate amount of Rs. 2200 crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash or securities of Government of India 6.75 per cent. Loan, 1989 and/or 7.75 per cent. Loan, 1989 on the 11th October 1989 upto the close of Banking hours. In the event of 11th October 1989 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 2200 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent. Loan, 1999 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 15th May 1999.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May 1999.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent per annum from 11th October 1989. Interest for the period from 11th October 1989 to 14th November 1989 inclusive will be paid on 15th November 1989 and thereafter interest will be paid half-yearly on 15th May and 15th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 11.00 per cent. Loan 204 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 15th May 2004.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May 2004.
- (ii) Issue Price—The Issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.00 per cent. per annum from 11th October, 1989. Interest for the period from 11th October 1989 to 14th

November 1989 (inclusive) will be paid on 15th November 1989 and thereafter interest will be paid half-yearly on 15th May and 15th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.50 per cent. Loan, 2009 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 15th May 2009.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May 2009.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.5 per cent per annum from 11th October 1989. Interest for the period from 11th October 1989 to 14th November 1989 (inclusive) will be paid on 15th November 1989 and thereafter interest will be paid half-yearly on 15th May and 15th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. The net amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

CONVERSION TERMS

7. The securities of 6.75 per cent. Loan, 1989 and/or 7.75 per cent. Loan 1989 will be accepted for conversion into the new loans at par. Interest on the securities of 6.75 per cent. Loan, 1989 tendered for conversion will be paid at the rate of 6.75 per cent. upto and inclusive of 10th October 1989 at the time of issue of new securities. Interest on the securities of 7.75 per cent. Loan, 1989 tendered for conversion will be paid upto and inclusive of 10th October 1989 at the rate of 7.75 per cent. per annum at the time of issue of new securities.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

8. Applications will be received at :

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort & Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

9. Place of Payment of Interest—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore,

Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

10. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts), will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

11. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

12. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

13. The securities will be issued in the form of stock only.

14. Applications for the loans—Applications for the loans must be for Rs. 1,000 or a multiple of that sum.

15. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

16. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque and/or securities of 6.75 per cent. Loan, 1989 and/or 7.75 per cent. Loan, 1989 which are being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned. The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government :—

- (i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.
- (ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below :

'Pay to the President of India'

17. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks-Commercial and Co-operative banks-will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By order of the President,
SMT. JANAKI KATHPALIA, Jt. Secy. (Budget).

Broker's Stamp with Address

FORM OF APPLICATION

I/We*herewith tender Cash*,
(Full Name(s) in Block Letters)

Cheque for Rs. (Rupees)/*Securities of 6.75 per cent. Loan, 1989, 17.75 per cent. Loan, 1989 of the nominal value of Rs. (Rupees) and request that Securities of 10.50 per cent. Loan, 1999 (Second Issue)*/11.00 per cent. Loan, 2004 (Second Issue)*/11.50 per cent. Loan, 2009 (Second Issue)* of the nominal value of Rs. may be issued to me/us* in the form of *Stock Certificate/Credit to my/our* S.G.L. Account.

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B. — The applicant should not write anything in this case.
The entries will be filled in by the Receiving office.

Signature (s)
Name (s) in full
(Block Letters)

	Initials	Date
Application No.		
N.B. Stamp ..		
Cash received on		
Cheque Realised on		
Credited to Special Current Account on		
Examined		
Cash Applications Register posted ..		
Bookerage Register posted		
Ident No.		
Script No.		
Card No.		
Voucher passed on		

Address

Dated the
of October 1989.

*Delete what is not required.

Notes : -- (1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'pay to the President of India' over the signature of applicants, if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him/ them before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.

(2) Separate applications should be made for each and each form of subscription of the New Loan required.

(3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents if not already registered at the public Debt Office, should be enclosed with the investment application :

(i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of company/body.

(iii) Certified copy of resolution in favour of the persons authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/ their duly attested specimen signature(s).

(5) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from public Debt Office) for remittance of half yearly interest on Stock Certificate/s issued to them.

